ISSN - 0973-1628

157

Issue - 157, Vol-XVI (2), April - 2017

www.researchlink.co

स्नेह कुमार मेश्राम
मकान नंबर 49, स्नेह निकेतन,
शिक्षक कॉलोनी, स्टेशन पारा, वार्ड नंबर 13,
राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) - 491441
राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

559 / 157

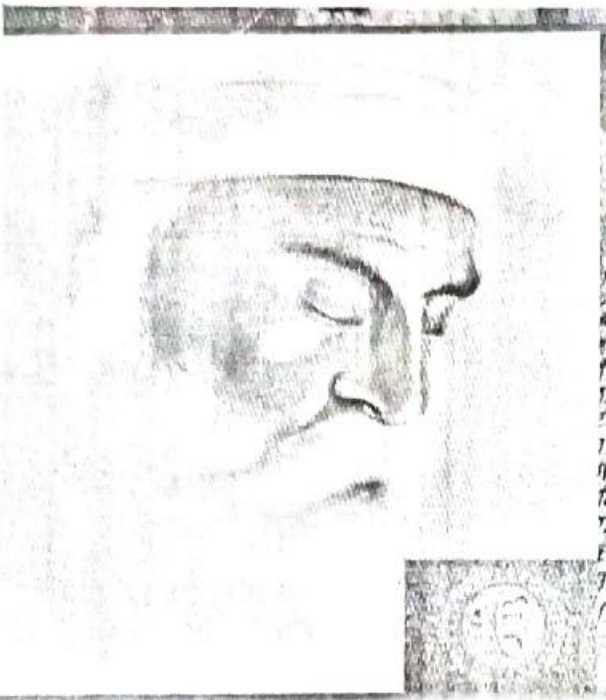

An International Registered and Referred Monthly Journal

RESEARCH LINK

Impact Factor 2.782 2015

CIRCULATION

Govt. College Khertha
Kherthi
Distt. Balod
Balod (C.G.)

Principal,
Govt. College, Khertha
Distt. Balod (C.G.)

An International, Registered and Referred Monthly Journal - Impact Factor 2.782 (2015)

ISSN No. 0973-1628

रिसर्च लिंक-157

• वर्ष- XVI (2)
• अप्रैल - 2017

(कला, समाजविज्ञान एवं वाणिज्य)

सम्पादक
डॉ.रमेश सोनी

विधि-विशेषज्ञ एवं सलाहकार
डॉ.अनिल पारे (पूर्णतःऑनररी)

सहयोग
डॉ.वीणा चौबे, डॉ.मोहम्मद इम्तियाज़ अहमद

प्रचार-प्रसार एवं विज्ञापन
विशाल राजौरिया

सम्पादकीय/प्रबन्ध-प्रकाशन कार्यालय
81, सर्वसुविधा नगर एक्सटेंशन, बंगाली चौराहे के पास,
कनाड़िया रोड़, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के पीछे,
इन्दौर - 452016
मोबाइल नं. 099264-97611
094253-49611 एवं 098260-75077

e-mail address :
researchlink@yahoo.co.in

एक प्रति : ₹ 250/-

संस्थागत शुल्क
वार्षिक : ₹ 3000/- (रुपये तीन हजार केवल)
(डी.डी.शुल्क अतिरिक्त)

व्यक्तिगत-शुल्क
वार्षिक (चार अंक) ₹ 1500/- (रुपये पंद्रह सौ केवल)

❖सदस्यता फॉर्म एवं नियमावली अंक के अंतिम पृष्ठ पर देखें।
❖रिसर्च लिंक का प्रकाशन-प्राध्यापकों का, प्राध्यापकों के द्वारा, प्राध्यापकों के लिए - एक अव्यावसायिक सहयोगी प्रयास।
❖सम्पादन, सम्पादन-सहयोग, प्रकाशन एवं संचालन अवैतनिक।
❖देश अथवा विदेश के किसी भी विश्वविद्यालय अथवा शोध कमेटी द्वारा 'रिसर्च लिंक' में प्रकाशित शोध-पत्रों के मान्य न किए जाने की स्थिति में प्रबंधन की कोई जवाबदारी नहीं होगी।
❖विषय विशेषज्ञों के निर्णय के अनुसार 'रिसर्च लिंक' में शोधपत्रों की स्वीकृति, संशोधन एवं प्रकाशन का एकाधिकार सम्पादन एवं प्रबंधन के पास रहेगा।
❖'रिसर्च लिंक' का अंक वेबसाइट पर, प्रत्येक माह की 05 तारीख को अपलोड किया जाता है,जिसे आप निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं।
❖सदस्यों को 'रिसर्च लिंक' की प्रति, प्रत्येक माह की 15 तारीख को साधारण डाक द्वारा भेजी जाती है। किसी भी कारण से अतिरिक्त प्रति प्राप्त करने के लिए ₹ 300/- रुपये का बैंक ड्राफ्ट भेजना होगा।
❖'रिसर्च लिंक' संबंधी सभी विवाद केवल इन्दौर न्यायालय के अधीन होंगे।

मैं प्रार्थना करता हूँ....

❁ प्रमोद त्रिवेदी

मैं प्रार्थना करता हूँ -
इस सिमटते संसार में धरती की लंबी उम्र की
मैं धरती की लंबी उम्र के लिए प्रार्थना करते हुए
उस विवेक के लिए करता हूँ प्रार्थना,
जो निरंतर लुप्त हो रहा है।
अभी भी यहीं मेरे पैरों के नीचे दबा है
नारियल का बीज
मेरे पैरों तले दबा वह देख रहा है - स्वप्न!
और इसी स्वप्न में पका रहा है फल
जिसमें बज रहा है पानी, जल तरंग की मानिंद।
करता हूँ प्रार्थना-
जैसे प्रार्थना करते हैं -
पंडित रामानारायण, शिवकुमार शर्मा,
किशोरी अमोणकर, हरिप्रसाद चौरसिया।
जैसे प्रार्थना करती है बारिश की बूँदें
सागर में लय होने से पहले
चिड़िया की चहक, शोर में गायब होते-होते।

❐ ❐ ❐

गुरुनानक देव के प्राकट्योत्सव के पावन पर्व बैसाखी प्रसंग को लेकर उपर्युक्त प्रार्थना के साथ ही, कव्हर पृष्ठ 3 पर प्रस्तुत सभी कविताएँ तथा विशेष खण्ड की 40 पृष्ठीय सामग्री, इस बार की सम्पादकीय में सम्मिलित की जा रही है।

इसका उद्देश्य भी यही है, कि 'गुरु ग्रंथ साहब' जिसमें 15 गुरु वाणियाँ सम्मिलित की गई हैं, वे सभी काव्य में हैं। वे भी सबद हैं। ....और ये कविताएँ भी एक तरह से सबद की उपासना ही है। कोई भी कवि शब्द का ही उपासक होता है। समय के ताप में तपी-पकी इन कविताओं के भिन्न विषय होकर भी इस बात की ओर संकेत करते हैं कि ईश्वर एक है। गुरुनानक देव ने भी इस बात को अपने उपदेशों में व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि 'भगवान एक है, लेकिन उसके कई रुप हैं। वो सभी का निर्माण भी करता है और वो खुद मनुष्य का रुप लेता है। उस एक ब्रह्म की चमक से ही, सबकुछ प्रकाशमान हैं। उसकी हजारों आँखें हैं। उसके हजारों रुप हैं, फिर भी कोई एकरुप नहीं है। वह निराकार है। एक ओंकार है। इसलिए उसे तर्क के द्वारा नहीं समझ सकता, भले ही वो युगों तक तर्क करता रहे। इसलिए प्रभु का सुमिरन करना चाहिए। उसे के भक्तों की संतों की, सेवा करनी चाहिए और उसके सेवकों के सेवक बन जाना चाहिए।' गुरुनानक देवजी ने यह भी कहा कि ''ईश्वर न एक बच्चा है, न एक नवयुवक है। वह पौराणिक भी नहीं है और न ही उसकी कोई जाति, धर्म या सम्प्रदाय है।'' उनके विचार में ''जब वह जन्मा ही नहीं, तो उसकी मृत्यु नहीं हो सकती है। दुनिया में किसी भी व्यक्ति को इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि बिना गुरु के कोई भी उसे नहीं जान सकता है। उसे सभी जान सकते हैं। वह अपने अंदर ही बसता है। मृत्यु भी बुरी नहीं है, यदि हम जानते हैं कि मृत्यु के लिए कौन सी तैयारियों की जानी चाहिए और मरा कैसे जाता है। सांसारिक सम्पत्ति, धन-समृद्धि से युक्त बड़े-बड़े राज्यों के राजा-महाराजाओं की तुलना में छोटी सी चींटी बड़ी हैं, जो ईश्वरीय प्रेम से परिपूर्ण है। इसलिए प्रेम सर्वोपरि है। कबीर ने भी कहा है के ढाई आखर पढे सौ पंडित होई। प्रेम पूर्वक किया गया व्यवहार और आचरण ही सबसे बडी पजा है।

❁ ❁

❁ डॉ. रमेश सोनी

Govt. College Khertha Distt. Balod (C.G.)

Principal,
Govt. College, Khertha
Distt. Balod (C.G.)

An International, Registered and Referred
Monthly Journal - Impact Factor 2.782 (2015)

Contents - 157

■ Research Link - 157 ■ Vol - XVI (2) ■ April - 2017

Baisakhi Exclusive : Punjab

- भगवद्गीता और आदिग्रंथ में साम्य तत्वज्ञान
  डॉ.रमेश सोबती (H)....7
- ਦਸਮ ਗ੍ਰੰਥ ਦਾ ਲੋਕ-ਯੁਕਤ ਰੂਪ : ਛੰਦ ਪ੍ਰਬੰਧ
  ਡਾ. ਤੇਜਿੰਦਰ ਗੁਲਾਟੀ, ਡਾ. ਜਤਿੰਦਰ ਸਿੰਘ (571(1))....11
- ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ ਦਾ ਸਾਹਿਤਕ ਦਰਬਾਰ ਕਲਮ ਤੇ ਕਿਰਪਾਨ ਦਾ ਸੁਮੇਲ
  ਗੁਰਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ (571(3))....14
- ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ ਦੀ ਲੜਣ ਦੀ ਯੁੱਧ ਨੀਤੀ : ਇਤਿਹਾਸਕ ਅਧਿਐਨ
  ਹਰਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ (571(4))....17
- ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਰਵਾਲਸਰ ਸਾਹਿਬ : ਇਤਿਹਾਸਿਕ ਪ੍ਰਸੰਗਕਿਤਾ
  ਸ੍ਰ.ਗੁਰਮੇਲ ਸਿੰਘ (571(2))....20
- ਹੱਥ-ਲਿਖਤ 'ਬਾਰਾਮਾਹ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ' : ਬਹੁਪੱਖੀ ਅਧਿਐਨ
  ਰਾਜਬੀਰ ਕੌਰ (571(5))....23
- ਅਕਾਲ ਉਸਤਤਿ : ਪਰਮਾਤਮਾ ਦਾ ਸਹਜ ਸਰੂਪ
  ਡਾ. ਰੁਪਿੰਦਰ ਕੌਰ (571(6,)....26
- ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ ਦੀ ਪਵਿੱਤਰ ਇਤਿਹਾਸਕ ਨਿਸ਼ਾਨੀ (ਪਿੰਡ ਕੋਲੇਵਾਲਾ ਫਰੀਦਕੋਟ)
  ਮਲਿੰਦਰ ਸਿੰਘ (571(7))....29
- Creation of Khalsa in the Eyes of Persian Authors
  Samrath Kaur (571(8))....31
- नारी संतों की भक्ति भावना
  प्रिया भसीन (549)....34
- पद्मभूषण पंडित राजन मिश्र एवं पंडित साजन मिश्र : जीवनवृत्त, व्यक्तित्व तथा कृतित्व
  प्रभाकर कश्यप (555)....37
- बैसाखी पर्व
  प्रतापसिंह सोढ़ी एवं रवनील कौर सिम्मी (571)....40

Assam & Andhra Pradesh Exclusive

- Rural and Urban Students Participation, Infrastructural Facilities and Their Attitudes at Intercollegiate Level Sports Activities of Non-Professional Colleges of Yogi Vemana University : An Insight
  N. Raghunadha Reddy (566)....41
- The Theme of The Seven Suspended Poems : A Study
  Shahalom Islam (564)....44

Science

- Stellar Population
  Dr. Neeraj Dubey (543)....47

English Literature

- Shashi Deshpande : Feminism in Roots and Shadows
  Dr. Alka Bharatrao Deshmukh (429)....50

Hindi Literature

- हिन्दी गीतिकाव्य में सूर, मीरा और तुलसी
  डॉ.राजेश कुमार सिंह (536)....53
- शालिग्राम - अंत्राराम 'सुदामा'
  ...कुमार (537)....56
- राजेन्द्र यादव और मन्नू भंडारी की आत्मकथाओं का विवेचन
  राजेन्द्र कुमार एवं डॉ.वंदना कुमार (547)....59

Sanskrit Literature

- नाथ सिद्ध साहित्य में शिव का स्थान : एक अध्ययन
  डॉ.सरिता बहुगुणा (538)....62
- विदुरनीत्यानुसार सदाचार-शील-क्षमा-सन्तोषादीनां नैतिक मूल्यानां विवेचनम्
  डॉ.सुरेन्द्र पाल वत्स (503)....65
- विदुरनीत्यानुसारं राजनीतेः चतुर्भेदाः
  शर्मिला (503)....68

History

- राष्ट्र उभारणीत भटक्या-विमुक्तांचे योगदान : ऐतिहासिक अध्ययन
  प्रा.डॉ.दशरथ पवार (556)....70
- बस्तर की परलकोट जमींदारी के जनजातीय विप्लव के महानायक शहीद गैंदसिंह : एक ऐतिहासिक पुनर्विश्लेषण (1819-1925)
  डॉ.विजय कुमार बघेल एवं श्रीमती सुधा खापर्डे (550)....72

Political Science

- Role of Indira Gandhi in International Politics
  Dr. Vandana M. Mahure (545)....75
- ब्रिक्स : विश्व में उभरती आशा
  डॉ.विनी शर्मा (552)....78
- भारतीय स्वाधीनता संग्राम में छत्तीसगढ़ की जनजातियों का योगदान
  डॉ.(श्रीमती) सुनीता यादव (546)....81

Sociology

- राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना और गरीबी उन्मूलन : एक मूल्यांकन
  भेष कुमार देवांगन (544)....81
- वस्तु कर सेवा लागू होने पर राज्यों के विकास की संभावनाएं : उत्तराखण्ड राज्य के ग्रामीण समाज का अध्ययन
  डॉ.रेखा बहुगुणा (565)....87
- भारत में बांग्लादेशी शरणार्थियों से जुड़े प्रमुख मुद्दों का अध्ययन (छत्तीसगढ़ राज्य के कांकेर जिले के विशेष संदर्भ में)
  डॉ.एल.एस.गजपाल एवं राम नरेश टण्डन (544)....89
- नगरीय परिवेश में मुस्लिम महिलाओं के स्वास्थ्य की स्थिति (छत्तीसगढ़ के महासमुन्द जिले के महासमुन्द नगर के विशेष संदर्भ में)
  नसरीन मुमताज, डॉ.जया ठाकुर एवं डॉ.एल.एस.गजपाल (575)...92
- ओशो अनुयायियों के गृहस्थ जीवन का समाजशास्त्रीय विश्लेषण (राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) नगर के विशेष संदर्भ में)
  स्नेह कुमार मेश्राम एवं डॉ.अमरनाथ शर्मा (559)....94
- मलिन बस्तियों में महिलाओं की समस्याएं (मध्यप्रदेश के बालाघाट शहर के विशेष संदर्भ में)
  आरती भिमटे कांकरिया एवं डॉ.सपना शर्मा 'सारस्वत' (554)...97

Geography

- Spatio-Temporal Changes of Female Workers : A Case Study of Ahmednagar District (MS)
  Dr. Narke S.Y. (505)....100
- कार्यशील महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक संरचना : रायपुर नगर के विशेष संदर्भ में एक अध्ययन
  डॉ.सरला शर्मा एवं मीनाक्षी ताम्रकार (541)....104

Govt. College Kherha
Kherha
Distt. Balod
Balod (C.G.)

Principal,
Govt. College, Kherth
Distt. Balod (C.G.)

159

RESEARCH

Govt. College Khertha
Khertha
Distt. Balod
(C.G)

Principal,
Govt. College, Khertha
Distt. Balod (C.G.)

Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, Durg (C.G.)

Five Days Online Workshop on "New NAAC Accreditation Framework"
From 9th April To 14th April 2021

CERTIFICATE

It is certified that Dr./Shri/Smt./Miss **Yaser Qureshi** Principal/ IQAC Coordinator/ NAAC Coordinator/ Professor/Research Scholar/ University Officer of **Govt. College Khertha Distt. Balod** has participated in five days online workshop on '**New NAAC Accreditation Framework**' From 9th April To 14th April 2021 organized by Hemchand Yadav University, Durg (C.G.).

Hemchand Yadav University appreciates his/her contribution in successful organization of online workshop and wish every success in his/her life.

Dr. Prashant Shrivastava	Dr. C.L. Dewangan	Dr. Aruna Palta
Dean, Students Welfare	Registrar	Vice Chancellor

Made for free with Certify'em

Govt. College Khertha Distt. Balod (C.G.)

Principal,
Govt. College, Khertha
Distt. Balod (C.G.)